डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 263 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 07 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

नाबालिग ने अपने मोबाईल से पोस्ट की थी आपत्तिजनक पोस्ट, जयपुर से निकला कनेक्शन

रतलाम, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पांच दिन पूर्व धर्म विशेष को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला आरोपी राजस्थान के जयपुर का 13 वर्षीय नाबालिग निकला है। पुलिस ने आरोपी को जयपुर से अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। आरोपी ने अपने मोबाइल से इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी।

बता दे कि 30 जून की रात सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज ने स्टेशन रोड़ थाने का घेराव कर दिया था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था। लेकिन, कुछ देर बाद फिर समाज के युवा थाने पर दोबारा पहुंच गए। शहर काजी अहमद अली भी पहुंचे। पुलिस ने समझाकर सभी को रवाना किया। मंगलवार को समाजजनों ने कलेक्टर के .... शेष पेज 4 पर

यात्रियों के सिर से टपकता पसीना बयां कर रहा परेशानी...

अव्यवस्था के हवाले नेहरु बस स्टैंड

कुर्सियां टूटी हुई, पंखे बंद, अतिक्रमण की जद में सड़क

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के नेहरु बस स्टैंड से सैकड़ों बसों में हजारों लोग सफर करते हैं। जब हमने यहां यात्रियों के लिए की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं को खंगाला तो उनकी परेशानी सामने आई। उमस के चलते बस स्टैंड के कॉम्प्लेक्स में बने यात्री प्रतिक्षालय में बिना पंखे के बैठे यात्रियों के सिर से टपकता पसीना उनकी परेशानी आसानी से बयां कर रहा था। इधर यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां तक नहीं है। सड़क स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण की जद में है। परिणाम यह हो रहा है कि यातायात प्रभावित हो रहा है। इस और अभी तक किसी भी जिम्मेदार विभाग का ध्यान नहीं है।

गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी...

सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है गर्मी में। यात्री प्रतिक्षालय में गर्मी से निजात दिलाने के नाम पर चार पंखे लगे हुए है। बाबा आदम के जमाने के बरसों पुराने पंखों का कनेक्शन विद्युत लाईन से तो है, लेकिन यह बंद है। यहां सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गो को हो रही है।

बैठने तक की व्यवस्था नहीं...

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्री प्रतिक्षालय में बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। लकड़ी की कुर्सियां जरुर यहां लगाई गई है, लेकिन कुर्सियां टूट गई है। जिससे यात्री लटककर कुर्सी पर बैठे नजर आ सकते हैं।

अतिक्रमण ने बिगाड़ी यातायात व्यवस्था...

सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था से। इसका प्रमुख कारण है अतिक्रमण। सबसे पहले बात करें स्थायी अतिक्रमणों की। दुकानदारों ने सड़क पर भट्टियां लगा रखी है। इसके बाद रही सही कसर ठेले वालों ने पूरी कर दी। बीच सड़क पर नमकीन और फल फ्रूट के ठेले लगे हुए है। अस्थायी दुकानदार सामान सड़क पर फैलाकर व्यापार कर रहे हैं। जिससे बस संचालकों के साथ राहगीर तक परेशान है।

बीमार कर देगी यह भट्टियां...

इधर एक और महत्वपूर्ण समस्या है दुकानदारों की भट्टियां। दुकानों के बाहर लगी भट्टियों से धुआ दिनभर निकल रहा है। इससे यात्री हो या आम आदमी खासे परेशान है। इसके अलावा भट्टियां बाहर होने से सड़क पर जगह भी संकरी हो गई है।

नशेबाज शिक्षक की मेडिकल रिपोर्ट पॉजीटिव आई, कलेक्टर ने किया निलंबित

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शराब पीकर स्कूल पहुंचने और हंगामा करने वाले टीचर को कलेक्टर ने निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में शिक्षक का मुख्यालय भानपुरा विकासखंड कार्यालय रहेगा। बता दें कि शराब के नशे में स्कूल पहुंचकर हंगामा करने के बाद शामगढ पुलिस ने शिक्षक का मेडिकल टेस्ट करवाया था। वहीं, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सिविल सेवा आचरण के अंतर्गत कार्रवाई की है। निलंबन अवधि में शिक्षक का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भानपुरा रहेगा। निलंबन अवधि में शासन के नियम अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय रहेगा। बताया जाता है कि मेडिकल रिपोर्ट में अल्कोहल की पुष्टी हुई है।

दरअसल खजूरी पंथ के शासकीय मिडिल स्कूल में पदस्थ शिक्षक श्याम सुंदर मेहर शुक्रवार दोपहर शराब के नशे में स्कूल पहुंचा और वहां सो गया। ग्रामीणों ने शराब पीकर स्कूल आने के बारे में पूछा तो विवाद करने लगा। इसके बाद ग्रामीणों ने सरपंच के साथ शामगढ थाना पुलिस को एक आवेदन देकर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार शिक्षक की जेब से शराब की शीशी भी मिली है। शामगढ़ टीआई उदयसिंह अलावा ने बताया कि खजूरी पंथ ग्राम पंचायत के द्वारा एक आवेदन मिला है। मामला शासन स्तर का है शिक्षक को निलंबित करने की कार्रवाई कलेक्टर द्वारा की जा सकती है। शराबी शिक्षक का मेडिकल परीक्षण करवाया गया है।

पहले भी हो चुकी निलंबन की कार्रवाई...

प्रशासन ने शिक्षक को निलंबित किया है। प्रशासन ने जारी आदेश में कहा है कि श्याम सुंदर मेहर मा.शि. एकीकृत शा.हाईस्कूल खजुरीपंथ संकुल शा.बा.उमावि, शामगढ विकासखण्ड गरोठ के द्वारा अपने शासकीय कर्तव्यों के दौरान शराब पीकर गाली गलोच की गई तथा अपशब्दों का प्रयोग किया गया। इनका उक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियमों के विरूद्ध है, अत: इन्हें म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 09 के निहित प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर इनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भानपुरा किया जाता है। निलंबन अवधि में शिक्षक को शासन नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। इधर एक और जानकारी यह भी सामने आई है कि शिक्षक 2021 में भी निलंबित किया गया था। लेकिन, मेडिकल रिपोर्ट न होने केचलते जेडी द्वारा बहाल किया गया।

उद्यानिकी फसलों का नहीं हो रहा बीमा, हजारों किसान परेशान

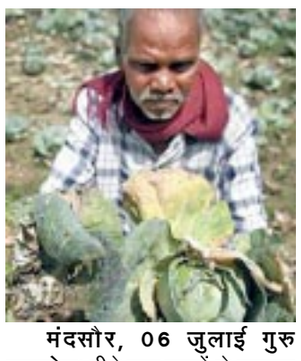

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बीते कुछ सालों से मसाला फसलों के उत्पादन, गुणवत्ता सुधार के लिए चली कवायद ने जिले के किसानों ने भी मसाला फसलों के उत्पादन की तरफ रूख किया है। मंदसौर जिले को अफीम के अलावा उच्च गुणवत्ता के मसाला उत्पादन के लिए भी जाना जाने लगा है। यहां 20 -25 तरह की मसाला व औषधीय फसलें किसान ले रहे हैं। स्थिति इतनी अच्छी बन रही है कि केरल के बाद मंदसौर मसाला फसलों का बड़ा हब बनने की राह पर बढ़ रहा है। किसानों की संख्या 15 हजार पार पहुंच गई है, वहीं लगभग 70 हजार हेक्टेयर में मसाला फसलों की बोवनी हो रही है। इधर किसानों के सामने प्राकृतिक आपदा की समस्या है। अन्य उपज का बीमा तो हो जाता है। लेकिन, उद्यानिकी फसलों का बीमा नहीं होता।

मध्य प्रदेश में पिछले 5 साल से मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों का बीमा नहीं किया जा रहा है। यह स्थिति तब है जब सरकार खेती से आय बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने में लगी है। जबकि, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में किसानों को उद्यानिकी फसलों के बीमा कवरेज की व्यवस्था की गई है। मप्र में वर्ष 2019 -20 से वर्ष 2023-24 तक फसलों का बीमा नहीं किया गया है। शुक्रवार को विधानसभा में पूर्व मंत्री व विधायक अर्चना चिटनीस ने उद्यानिकी फसलों का बीमा किए जाने का प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि 5 साल से फसलों का बीमा क्यों नहीं किया जा रहा है।

मसाला फसलों के हब के रूप में मंदसौर के उभरकर सामने आने के बाद गत वर्ष अमेरिका के ज्वाइंट इंस्टीट्यूट फार फूड सेफ्टी एंड एप्लाइड न्यूट्रीशन (जिफ्सन) के कृषि वैज्ञानिक डा. क्लेर नेरोड एवं डा. जेम्स रशिंग मंदसौर आए थे। उन्होंने मंदसौर व आसपास की जलवायु को मसाला फसलों (लहसुन, मैथी, धनिया, जीरा सहित अन्य फसलों) के लिए उपयुक्त बताया था।

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह यह बोले...

जवाब में उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने बताया कि जल्द बीमा कराने का प्रयास कर रहे हैं, इसके लिए अर्चना चिटनीस भी दिल्ली गई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से 2022-23 के लिए छह बार टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन दरें अधिक आने के कारण योजना का क्रियान्वयन नहीं किया जा सका। रबी सीजन 2022-23 से रबी 2023-24 के लिए निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन एक ही निविदा प्राप्त होने के कारण निविदा नहीं खोली गई। खरीफ 2023-24 से रबी 2025-26 के लिए निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन विभाग द्वारा केंद्र सरकार के नए दिशा-निर्देशानुसार आगामी कारवाई करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए केंद्र से भी बात करके शीघ्र फसल बीमा कराने का प्रयास करेंगे।

ट्रक में मिले 70 पाड़े, चार मुल्तानी पकड़ाएं

एक सप्ताह पहले गौकशी एवं गौवंश तस्करी नहीं करने की खाई थी पुरे गांव ने कसम

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। करीब एक सप्ताह पहले मंदसौर जिले के मुल्तानपुरा गांव में ग्रामीणों ने गौ तस्करी एवं गौकशी नहीं करने की कसम खाई थी, यह भी तय हुआ था की इन कामों में पकडे जाने वाले तस्करों का सामाजिक बहिष्कार किया जायेगा। अब एक सप्ताह बाद ही मुल्तानपुरा के चार लोग पशुओं की तस्करी करते हुए पकडे गऐ। पुलिस ने इनके कब्जे से 70 पाडो को मुक्त कराया। लगभग एक सप्ताह पहले मंदसौर के निकट स्थित गांव मुल्तानपुरा में मुस्लिम समाज ने तय किया था कि जो भी गोवंश की तस्करी में पकडा जाएगा, समाज से उसे बहिष्कृत कर दिया जाएगा। इसके बाद पहली बार गांव के चार लोगों को पाड़ों की तस्करी करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मल्हारगढ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध रूप से पाड़ों की तस्करी की जा रही है। सूचना पर मल्हारगढ पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी की और मिनी ट्रक क्रमांक आरजे 06 जीबी 9181 को रोककर तलाशी ली। ट्रक में ठूंसकर 70 पाड़ों को भरा गया था। ट्रक में बैठे 4 मुल्तानियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में ट्रक ड्राइवर ने अपना नाम आसिफ पिता अब्दुल रशीद कुरैशी उम्र 32 साल निवासी माधवगंज मोहल्ला नीमच सिटी बताया। ट्रक में रलायता रोड मुल्तानपुरा जिला मंदसौर निवासी जमील पिता सलीम दीपलिया उम्र 30 साल, सद्दाम पिता रशीद दतिया उम्र 24 साल, तालीब पिता आबिद दतिया उम्र 22 साल सवार थे। चारो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं।

स्ट्रीट डॉग के हमले से छह लोग घायल

पीड़ित बोले- नगर पालिका अमला पकड़ने आता तो कथित पशु प्रेमी रोक देते, नगर पालिका नहीं कर पा रही समस्या का समाधान

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के जनकुपुरा क्षेत्र में शनिवार को डॉग बाइट (कुत्ते के काटने) के आधा दर्जन मामले सामने आए है। स्थानीय लोगों और पार्षद ने डॉग लवर्स पर गुस्सा जताया है। शनिवार को जनकुपुरा में सुबह गोपाल पालीवाल अपनी दुकान खोल रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए डॉग ने हमला कर दिया। कुत्ते ने उन्हें 3-4 जगह काट लिया। इसके बाद कुत्ते ने गाय को अपना शिकार बनाया। हालांकि लोगों ने उसे भगा दिया। लेकिन, कुछ ही देर बाद कुत्ते ने एक व्यक्ति और एक महिला पर हमला कर दिया। इस तरह स्ट्रीट डॉग बाइट के छह से अधिक मामले सामने आए। सभी का उपचार करवाया गया। कुत्ते के हमले की चश्मदीद महिला ने बताया की उसके सामने ही कुत्ते ने तीन लोगो को काटा। पार्षद प्रतिनिधि अनूप माहेश्वरी ने कहां की नगर पालिका ने कुत्तों को पकडने के लिए प्लान बनाया था। हालांकि, जब भी नगर पालिका की टीम स्ट्रीट डॉग को पकडने के लिए अभियान चलाती है। डॉग लवर ने उन्हें रोक देते है। हर बार यही होता है। उन्होंने कहा कि अब शहर में लगातार डॉग बाइट की कई घटनाएं सामने आ रही है, आज ही करीब 6-7 घटनाएं सामने आई है। अगर इसका कोई समाधान नहीं निकलता है तो किसी दिन बड़ी घटनाए सामने आ सकती है।

अफीम तस्कर को तीन साल का सश्रम कारावास, जुर्माना भी लगाया

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा अफीम तस्करी के आरोपी डालूराम पिता पन्नालाल खटीक 52 वर्ष को अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करने के आरोप का दोषी पाकर 3 साल के सश्रम कारावास एवं 25 हजार रूपये जुर्माने से दंडित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी 2018 की रात्रि के लगभग 10.30 बजे थाना शहर कोतवाली में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक प्रेमसिंह हटीला को मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसने सफेद रंग की शर्ट एवं पेंट पहन रखी है तथा उसके पास कट्टे से बनी थैली है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ अफीम लेकर सर्किट हाउस की तरफ पैदल-पैदल पशुपतिनाथ मंदिर के यहां किसी तस्कर को देने जा रहा है।

मुखबीर की सूचना विश्वसनीय होने से मय फोर्स एक टीम को तत्काल रवाना कर सर्किट हाउस के पीछे पशुपतिनाथ मंदिर के गेट के यहां नाकेबंदी की गई।

करीब डेढ घंटे के इंतजार के बाद सर्किट हाउस की तरफ से बताये गये हुलिए का एक व्यक्ति पैदल-पैदल आता दिखा। जिसके एक हाथ में कट्टा था, जिसे रोककर उससे नाम, पता पूछने पर उसने अपना नाम डालूराम बताया, उसकी तलाशी ली गई। जिसमें कट्टे से बनी एक थैली की तलाशी लेने पर उसके अंदर एक थैली मिली, जिसका मुंह सुथली से बंधा हुआ था जिसे खोलने पर उसके अंदर काले रंग का गाढ़ा मादक पदार्थ भरा हुआ था, उक्त मादक पदार्थ का परीक्षण किया गया तो अफीम होना पाया गया। उक्त मादक पदार्थ का तौल किये जाने पर कुल वजन 1 किलोग्राम होना पाया गया। मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर पंचनामा बनाया गया। आरोपी के विरूद्ध पुलिस थाना शहर कोतवाली में अपराध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट का दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना की अन्य औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यो व तर्को से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विषेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

मिनी गोवा को डेवलप करने की जरूरत

प्रकृति ने तैयार किया मंदसौर जिले में समुद्री बीच

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर और पशुपतिनाथ मंदिर सहित कई जगहों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए काम हो रहे हैं। लेकिन, भानपुरा के कंवला में प्रकृति द्वारा तैयार किया गया मंदसौर का मिनी गोवा को फिलहाल विकास की दरकार है। कुछ समय पहले तक इस जगह को कोई नही जानता था। लेकिन, अब मंदसौर जिला ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी लोग मिनी गोवा पहुंच रहे हैं।

भानपुरा के कंवला में चंबल नदी का किनारा समुद्र तट जैसा नजर आता है। यही कारण है कि इसे मिनी गोवा नाम दे दिया गया है। सोशल मीडिया पर भी मिनी गोवा खासा छा रहा है। स्थानीय लोग सबसे ज्यादा यहां अपना वीकेंड मनाने के लिए आते हैं। वहीं अब जिले के आसपास के लोग भी यहां आने लगे हैं। बता दें, यहां एक ऐसा गांव है, जो हूबहू गोवा जैसा लगता है। यहां के समुद्री बीच जैसी खूबसूरती आपको यकीनन गोवा की याद दिला देगी।

बता दें कि भानपुरा क्षेत्र का कंवला गांव चंबल नदी के किनारे स्थित है। यहां चंबल का किनारा चौड़ा है कि कोई छोर दूर-दूर तक नजर नहीं आता। इस मिनी गोवा में 2 बड़ी चट्टानें हैं, जो नदी के बीच में आपको किसी आइलैंड की तरह दिखाई देती हैं। इसी कारण यहां का नजारा समुद्र जैसा लगता है। बारिश में यहां टूरिस्ट का सबसे अधिक जमावड़ा देखा जाता है।

ले सकते है सनसेट का मजा...

कंवला में सनसेट को देखने का मजा कुछ और ही है। ये जगह काफी शांति वाली और प्राकृतिक नजारों से घिरी हुई है, मतलब देखने वालों के तो होश ही उडा देती है। यहां दिन के समय कैंप लगाकर भी आप यहां के दृश्यों को सुकून से देख सकते हैं। चंबल नदी के किनारे आपको लहरें भी टकराते हुए दिखाई देंगी। गांव की आबादी इस इलाके से थोड़ा दूरी पर रहती है। चंबल के तट पर दो बड़े-बड़े शिलाखंड भी हैं। इन शिलाखंडों में एबाबिल पक्षी के मिट्टी से बने हुए सुंदर घरोंदों को भी देखा जा सकता है, इनकी वजह से इन्हें गांव में 'चिड़ी वाला पत्थर' भी कहते हैं।

विचार-मंथन

परीक्षा प्रणाली को पुख्ता और भरोसेमंद बनाने की जरूरत

प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में पर्चाफोड़ की बढ़ती घटनाओं से राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए की विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रश्नांकित हुई है। मगर चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट में हुई धांधली से पूरी व्यवस्था पर अंगुलियां उठनी शुरू हो गई हैं। अच्छी बात है कि इस मामले में प्रधानमंत्री ने संसद को आश्वस्त किया कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। परीक्षा प्रणाली को पुख्ता और भरोसेमंद बनाने के उपाय किए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार सरकार को घेरने का प्रयास कर रहा था। एक पूरे दिन लोकसभा में बहस कराने की मांग कर रहा था। प्रधानमंत्री के बयान के बाद अब इस पर कुछ विराम लगा है। मगर यह केवल आश्वासन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे व्यावहारिक स्तर पर दिखना भी चाहिए। शुरू से ही इस मामले को एक तरह से दबाने का प्रयास किया जाता रहा। एनटीए लगातार कहता रहा कि इस परीक्षा में कोई धांधली नहीं हुई है। जिन केंद्रों पर परीक्षार्थियों को पर्चे मिलने में बाधा पैदा हुई, उन्हें कृपांक दिए गए। इसकी वजह से अनेक छात्रों को पूरे के पूरे अंक मिल गए। इसकी जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है। मगर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में अपारदर्शिता और कुछ ही केंद्रों से सर्वाधिक और पूरे के पूरे अंक पाने वाले छात्रों के तथ्य उजागर हुए, तो संदेह और गहरा होता गया। बिहार और गुजरात में कुछ पर्चाफोड़ गिरोहों पर शिकंजा कसा, तो हैरान करने वाले तथ्य उजागर होने शुरू हो गए। हालांकि मामला सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए रखा गया है, इसमें जांच हो रही है, कई आरोपी पकड़े भी गए हैं। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि सरकार ने शुरू में ही हस्तक्षेप क्यों नहीं किया। जो काम सरकार को करना चाहिए था, उसके लिए अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़ा। परीक्षा रद्द करने को लेकर सरकार क्यों हिचकती रही, जबकि उसी दौरान दूसरी कई परीक्षाएं रद्द कर दी गईं। पर्चाफोड़ गिरोहों के कुछ लोगों के पकड़े जाने और उनके कबूलनामे से जाहिर हो चुका है कि नीट की परीक्षा में पारदर्शिता नहीं बरती गई। आरोप है कि नकल कराने वालों ने कुछ छात्रों से भारी रकम वसूली और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं पर जवाब अपनी तरफ से भरवाए। अभी तक यही आरोप लगते रहे हैं कि नकल कराने वाले परीक्षा से पहले ही पर्चा बाहर कर लेते और विद्यार्थियों को उनके उत्तर रटा देते रहे हैं। मगर यह मामला उससे कहीं आगे निकल गया लगता है। बताया जा रहा है कि नकल माफिया ने जिन विद्यार्थियों से पैसे लिए थे, उन्हें कुछ तय परीक्षा केंद्रों पर बिठाया और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में सही उत्तर भरवाए। इससे न केवल एनटीए की प्रश्नपत्रों की सुरक्षा में लापरवाही, बल्कि सीधे-सीधे इस धोखाधड़ी में उसकी संलिप्तता जाहिर होती है। जिस संस्था को इस मकसद से गठित किया गया था कि वह प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली पर नकेल कसेगी, उसी पर अगर इस स्तर की धांधली में सहयोग का आरोप लग रहा है, तो भला कहां तक उस पर भरोसा कायम रह सकता है। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने का आश्वासन तो दिया है, मगर जब तक एनटीए की कार्यप्रणाली को भरोसेमंद नहीं बनाया जाता, उसके द्वारा आयोजित परीक्षाओं को लेकर भरोसा पैदा होना मुश्किल रहेगा।

आगामी पांच वर्षों में शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

प्रह्लाद सबनानी

वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401ए योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है। भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, जो कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यतः शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अतः भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है। भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से संबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। वर्ष 2015 में भारत में मालगाड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंततः उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है। पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी। परंतु, अब यह स्थिति भी बदलती जा रही है और आने वाले 5 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने जा रही है। इसके परिणाम कई क्षेत्रों जैसे सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल्वे, फार्मा, औटोमोबाइल, ड्रोन निर्माण, सेमी कंडक्टर, फूड प्रासेसिंग, एयरो स्पेस, आदि में दिखाई भी देने लगे हैं। भारत शेयर बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से विश्व में आज अमेरिका, चीन, जापान, हांगकांग के बाद 5वें स्थान पर है। तीसरे स्थान पर शीघ्र ही आ सकता है। आगामी 10 वर्षों में बहुत सम्भव है कि भारत दूसरे स्थान पर भी आ जाए क्योंकि चीन और जापान के आर्थिक क्षेत्र में जिस प्रकार की समस्याएं दिखाई देने लगी हैं, इससे अमेरिका के बाद भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ सकता है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व में भारत तीसरे स्थान पर ही आ पाएगा। वर्तमान में भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही हो पाया है।

बूंद बूंद भविष्य और बारिश का आनंद...

मुकेश पोपली

वेदों, उपनिषदों, महाकाव्यों, लोक-कथाओं के अनुसार सृष्टि के उद्भव के समय चारों ओर जल ही जल था। इस जल का इधर-उधर बिखरना, बहना, भाप बनकर उड़ जाना और फिर भी पृथ्वी के लगभग तीन चौथाई भाग को घेरे रखना एक जादू जैसा लगता है। मगर सच यही है कि हमारे जीवन की गति पानी से ही है। हम अगर स्थिर हैं तो सीधे-सादे अर्थों मे शव हैं और शव निष्प्राण होता है, लेकिन अगर हमारे शरीर की एक नाड़ी में भी गति है तो वहां एक आशा जगती है और हम फिर से इस दुनिया में रमने की कोशिश करते हैं। दरअसल, जल हमेशा गतिमान रहता है और फिर वह चाहे नदी हो, नाला हो या बरसात हो। आकाश से टपकती बूंदें केवल हम इंसानों को ही नहीं, वन्य-जीवों को, घरेलू पशुओं को, पंख फैलाए उड़ते पक्षियों को, पेड़-पौधों को, जंगल के मजबूत वृक्षों को, कोमल टहनियों को, पत्तों को, फल-फूलों को और यहां तक कि शुष्क और पथरीले पहाड़ों को भी एक नया जीवन देती हैं। बारिश के मौसम में जब बूंदें बादलों के घर से पृथ्वी पर आ रही होती हैं, तो हम सहज ही महसूस करते हैं कि हमारा जीवन बदल रहा है। आकाश से बरसती ये बूंदें निर्मल होती हैं, कोमल होती हैं। इनके अंदर एक संगीत छिपा होता है जो हमें आह्लादित करता है, हमारे हृदय में आनंद उत्पन्न करता है। भीगते हुए फूलों, झूमते हुए पौधों और अविरल बहती धाराओं को देखकर हमारे मन में गहरे तक छिपी कलुषित भावनाएं कहीं दूर बह जाती हैं। ये बूंदें हमें उत्साहित करती हैं और हम अपनी कल्पनाओं को शब्दों में रचना और गुनगुनाना प्रारंभ कर देते हैं। हमारे मन में अनेक कविताओं का झरना-सा फूट पड़ता है। ढोल-मंजीरा, डफली-घुंघरू सबके सब एक नए अंदाज में हमारे कदमों को थिरकाने लगते हैं। हमारे होठों पर राग मल्हार अपने आप उतर आता है और हाथों की तालियां, पैरों की थिरकन एक ऐसा माहौल बना देती हैं कि चारों तरफ बूंदों की छमछम गुंजने लगती है। मेह की बूंदों से जमीन के भीतर भी आहट होती है और नई कोंपलें जन्म लेने लगती हैं, जिन्हें देखकर हमें जीवन की यह सच्चाई पता चलती है कि जल ही जीवन है। जल का स्वभाव चंचल होता है और इसी से हमें वह शक्ति मिलती है कि हम अपने जीवन की तमाम उदासियों को मंझधार में छोड़ दें और खुद अपना और दूसरों का जीवन संवारें। जल भरी बूंदों के आगमन से हमारे आसपास एक उत्सव-सा जन्म ले लेता है। वृक्षों की झूमती डालियां और पक्षियों का कलरव हमें इस उत्सव का आमंत्रण देता प्रतीत होता है। हमें अपनी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता याद आने लगती है। इस बीच आकाश पर उभरते हुए इंद्रधनुष के रंगों में हम खो जाते हैं और अपने जीवन में उन अलग-अलग रंगों से भविष्य की कल्पनाओं में रंग भरने लग जाते हैं। शांत होकर टपकती बूंदें हमें आध्यात्मिकता और परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ने को प्रेरित करती हैं। जिस तरह हम पानी का स्वभाव जानते हैं और बारिश के बीच कहीं आने-जाने के लिए पगडंडियों को खोजते हैं, संकरे रास्तों पर आवागमन करते हुए अपने आपको संभालते रहते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि जरा सी लापरवाही हमारे जीवन को कष्ट में डाल सकती है, ठीक उसी तरह हमें अपने स्वभाव पर भी विचार कर लेना चाहिए। ये बूंदें हमें सिखाती हैं कि समय हमेशा एक-सा नहीं रहता और हमेशा ही इसमें उतार-चढ़ाव आता रहता है। कभी अनुकूल, तो कभी प्रतिकूल। यह हमारे सामने के हालात के मुताबिक तय होता है। समय कभी भी हमारे वश में नहीं रहता और न ही हमें समय की उपेक्षा करनी चाहिए। कुत्सित प्रवृत्ति के चलते धन संचय से अधिक इन बूंदों का संचय करना आवश्यक है, क्योंकि यही हमारे भविष्य को सुरक्षित रखेगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आखिर ये बारिश की बूंदें हमेशा तो टपकेंगी नहीं, इसलिए इससे हमें जो जल प्राप्त होता है उसको बचाने की आदत भी हमें अपना लेनी चाहिए। वैसे भी प्रकृति का हमें हमेशा आदर करना चाहिए। विकास जरूरी है, मगर घने जंगलों को विकास के नाम पर साफ कर देने से किसी का हित नहीं हो सकता। जंगल और पेड़ों का न होना दुनिया में कैसी तबाही ला सकता है, यह एक स्वयंसिद्ध तथ्य रहा है। हमारे बुजुर्ग फरमाते हैं कि घने वृक्षों पर देवता निवास करते हैं और वही हमारा ध्यान भी रखते हैं। इसीलिए वृक्षों को पूजा जाता है। दरअसल, इनके प्रभाव से ही हमें बारिश की बूंदें मिलती हैं और फल-फूल, औषधि, हार-सिंगार, भवन-निर्माण आदि सामग्री भी प्राप्त होती है। आखिर ये बूंदें प्रकृति का ही उपहार हैं।

मोदी सरकार के कार्यकाल में लोगों का खर्च बढ़ा, आमदनी लुढ़की और बचत घटी

बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के मुकाबले तीसरी बार के कार्यकाल के लिए उनकी पार्टी भाजपा को जनादेश कम मिलने का रहस्य उनकी आर्थिक नीतियों में भी छिपा है, जो यह चुगली कर रहा है कि इनके पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में भारत के लोगों की शुद्ध बचत में गिरावट आई है, जबकि खर्च में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि उनकी सरकार के मातहत काम करने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-2024 बोल रही है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले एक दशक यानी मोदी युग में न केवल लोगों की शुद्ध बचत घटी है, बल्कि इसी बीच आई वैश्विक कोरोना महामारी के चलते भी लोगों के बचत करने के व्यवहार में आमूल चूल बदलाव आया है। यदि मोदी सरकार इसे समय रहते ही समझ गई होती तो उसे गठबंधन की बैशाखी पर चलने की जरूरत ही नहीं पड़ती और न ही 400 पार का सपना टूटता। अब बात करते हैं आरबीआई की इस रिपोर्ट की, जिसके मुताबिक, देशवासियों के बीच बचत कम होने के दो मुख्य कारण हैं- पहला यह कि अब लोग सोना-चांदी, जमीन-घर और म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। और दूसरा यह कि, लोगों का घरेलू खर्च यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, आम उपभोग आदि बढ़ा है, जिसकी वजह से शुद्ध वित्तीय बचत में भारी कमी दिखाई पड़ी है। बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। इसी तरह से लोगों के पास शुद्ध वित्तीय बचत में भी 11.3 प्रतिशत की गिरावट आई है जो 2022-23 में गिरकर 28.9 प्रतिशत रह गई है, जबकि 10 वर्षों का औसत 39.8 प्रतिशत रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भले ही घरेलू बचत में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, लेकिन वह ज्यादा स्थाई नहीं रह पाई। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान कुल घरेलू बचत 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, परंतु उसके बाद जैसे ही लॉकडाउन खुला तो लोगों ने अपनी बचत को सम्पत्तियों के खरीदने पर खर्च करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही साथ लोगों की देनदारियों में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे नगदी के रूप में बचत गिरती चली गई। वहीं, कोरोना के बाद से लोग बचत को बैंक खातों में एफडी व अन्य रूप में रखने से बच रहे हैं। जबकि सम्पत्तियों को खरीदने के लिए कर्ज लेने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि कृषि और व्यवसायिक लोन में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी का 40 प्रतिशत घरेलू उधार हो गया है, जो दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाले देशों में इंडोनेशिया, मैक्सिको, पौलेंड और ब्राजील से अधिक है। वहीं, आमलोगों के खर्चों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते शुद्ध रूप से वित्तीय बचत में गिरावट आई है। यदि मोदी सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के औसत के हिसाब से भी देखा जाए तो जीडीपी में शुद्ध बचत की हिस्सेदारी 2.7 फीसदी कम हो गई है। कहने का मतलब यह कि एक दशक पहले के आठ प्रतिशत से घटकर यह 2022-23 में 5.3 फीसदी पर आ गई है,जो चिंता की बात है। रिपोर्ट बताती है कि अब लोगों को शेयर बाजार से अच्छा रिटर्न मिल रहा है, जो किसी भी बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा दिये जाने वाले ब्याज से कहीं ज्यादा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5288

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5287

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 5288

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह भारत देश का सबसे पुराना बैंक है (1895 में स्थापित)(7)
6. नीचे की सलाह, पैंड, पुराणानुसार सात पातालों में से पहला (2)
7. कमरा को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
8. छोटा, निखार, तीन प्रकार के प्राणवायुओं में से एक (2)
10. रह-रह कर नाचना, कूदना (4)
12. हल्का काला, सलेटी, धोवला (3)
13. रगड़ना, चर्चित करना, मसलना, फाड़ना (3)
14. भारत की एक प्रमुख नदी जिसके तट पर अहमदाबाद और गांधीनगर जैसे नगर बसे है (5)
18. मर्यादा, पराकाष्ठा, सीमा (2)
19. हैसियत, पहुंच, लेवल (2)
22. डंका लगाना, सीया जाना (3)
25. पितृपक्ष, श्राद्ध पक्ष (4)
26. तपस्या करने वाला, मुनि, जपी (3)

ऊपर से नीचे

1. इस मात्रा में, इस परिणाम में (3)
2. किसी वस्तु आदि पाने की तीव्र और अनुचित इच्छा (3)
3. विस्फोटक पदार्थ, अनलचूर्ण, गन पावडर (3)
4. एक बार सांस लेने का समय, क्षण, पल (2)
5. किसी पौधे की डाली काटकर दूसरी जगह लगाना या जमा करना (6)
9. तरल पदार्थ में अच्छी तरह मिलना, क्षीण होना, घनिष्ठ होना (3)
11. शीतलता, अनुशीलता, तत्परता (3)
12. भगवान श्रीकृष्ण के नामों में से एक (3)
14. साहसी, हिम्मती (4)
15. परिवर्तित करना, स्थानांतरित करना (4)
16. आनंदित, मदयुक्त (2)
17. नदी का किनारा, तट भाग (2)
21. प्रतापी, रोबदार, शक्तिशाली (3)
23. धर्मराज (2)
24. उबला या पका हुआ चावल (2)

वर्ग पहेली 5287 का हल

दे	वि	का	रा	नी	■	ति	क
व	■	रा	■	ति	ति	स्म	■
डी	क	र	■	कु	■	■	जा
सु	त	■	श	श	क	■	न
त	र	ना	■	त	■	बा	डी
■	■	ग	या	■	क	■	न
र	ह	ब	र	■	बा	स	द
स	था	त	■	पै	ला	■	न

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2-6-8

वृषभ : [illegible] शुभांक-4-6-8

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-7-8

कर्क : [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह : [illegible] शुभांक-2-5-8

कन्या : [illegible] शुभांक-4-5-7

तुला : [illegible] शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-2-4-6

धनु : [illegible] शुभांक-4-6-7

मकर : [illegible] शुभांक-1-3-5

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-4-6

मीन : [illegible] शुभांक-2-4-6

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनंदन शर्मा आज नीमच में

नीमच, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश

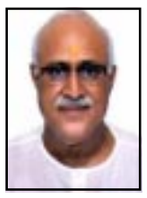

उपाध्यक्ष ,पूर्व राज्यसभा सदस्य, पूर्व कार्यालय मंत्री भोपाल, और वरिष्ठ भाजपा नेता, कुचडोद में होने वाले हनुमान मंदिर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आज नीमच आ रहे हैं ,कार्यक्रम के पश्चात श्री शर्मा नीमच डाकबंगले पर भाजपा और समस्त स्नेहजन आम जनता, और कार्यकर्ताओं, से डाक बंगले पर मुलाकात करेंगे नीमच क्षेत्र में श्री शर्मा ने संगठन के लिए वर्षों तक कार्य और सेवा की है, ओके जानकारी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शिव माहेश्वरी पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष दिलीप छाजेड, प्रवीण शर्मा, रमेश जायसवाल गजेंद्र चावला ने दी है, तब पश्चात रात्रि में ट्रेन द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

रथयात्रा उत्सव आज

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आपके अपने मन्दसौर नगर में श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के सामने वाले शिवना नदी के तट पर बडे पूल के दाहिने ओर भावसार धर्मशाला से मात्र 50 मीटर आगे, जगदीश मंदिर मार्ग (लच्छे बनाने वालों का मार्ग) पर 500 वर्ष से अधिक प्राचीन पुरी (उडीसा) की तरह भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्राजी के काष्ठ के विग्रह वाला 'जगदीश मंदिर' स्थित है । हम मन्दसौर वासियों का यह परम सौभाग्य है कि पूरे भारतवर्ष में भगवान जगन्नाथ के कुछ विशिष्टमंदिरों में से एक हमारे अपने मंदसौर का यह एक 'सिद्ध स्थल' है । सभी भगवान जगन्नाथ के भक्तजनों से विनम्र निवेदन है कि आषाढ शुक्ल 'द्वितीया, रविवार, दिनांक 7 जुलाई 2024 को सायंकाल 7.15 बजे 'रथ यात्रा उत्सव' में पधारकर पुण्य धर्म लाभ लें।

पालक महासंघ के जिलाध्यक्ष पद पर शिवशंकर सौलंकी नियुक्त

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पालक महासंघ मध्यप्रदेश

के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल विश्वकर्मा ने संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उज्जैन प्रभारी श्री आई.ए.खान एवं प्रदेश महासचिव श्री प्रबोध पंड्या की अनुशंसा एवं प्रदेश कार्यकारिणी की सहमति से संगठन की जिला इकाई मंदसौर का जिला अध्यक्ष पद पर समाजसेवी श्री शिवशंकर सौलंकी को नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने श्री सौलंकी को जिलाध्यक्ष नियुक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि जिला / तहसील इकाइयों की कार्यकारिणी शीघ्र से शीघ्र बनाकर संगठन के संभाग प्रभारी को सौपे तथा शिक्षा के क्षेत्र मे बच्चों एवं अभिभावकों के हितों के मौलिक अधिकारों की आवाज बनकर संघर्ष कर कार्य को गति प्रदान करेंगे। श्री सोलंकी नियुक्ति पर इष्टमित्रों व स्नेहीजनों ने बधाई दी है। उक्त जानकारी एवं उज्जैन संभाग प्रभारी आई ए खान ने दी है।

डॉ.श्यामप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश जी नड्डा के नेतृत्व एंव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के मार्गदर्शन में आज 06 जुन को जिला मुख्यालय मंदसौर पर डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंति एक पेड मॉ के नाम अभियान प्रारंभ कर मनाई गई। भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत के नेतृत्व में महु नीमच रोड स्थित नमो उपवन पर सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व केबीनेट मंत्री कैलाश चावला, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, नपा.अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की गरीमामय उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशानुरूप एक पेड मॉ के नाम लगाकर डॉ. मुखर्जी की जन्म जंयति मनाई गई।

इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा की डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का मात्र 52 वर्ष का जीवन आज देश को नई दिशा दिखा रहा है। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गये थे। आजादी के बाद वह भारत के उद्योग मंत्री के पद पर काबिज हुए उस समय उनके द्वारा बनाई गई नीतियों का पालन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार आज कर रही है। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा की डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी की अल्प आयु से ही उनके राष्ट्रवादी विचारों ने पूरे देश में ख्याति प्राप्त कर ली थी। डॉ.मुखर्जी सच्चे अर्थों में मॅानवता के उपासक एंव सिद्धांतवादी थे। ऐसे महान व्यक्तित्व से हम सभी को प्रेरणा लेना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी वीर सावरकर की राष्ट्रवाद की भावना से प्रभावित होकर हिन्दू महासभा में सम्मिलित हुए। बंगाल में जब मुस्लिम लीग की नीतियों से साम्प्रादिक विभाजन की नौबत आ रही थी तो ऐसी विषम परिस्थिति में डॉ.मुखर्जी ने यह सुनिश्चित करने का यह बीडा उठाया की बंगाल में हिन्दुओ की उपेक्षा ना हो। इस अवसर पर मातृशक्ति नपा. अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, श्रीमति सुनंदा चावला, श्रीमति कैलाशीदेवी पाटीदार, श्रीमति सुमन सारस्वत, श्रीमति किरण मावर, श्रीमति मंजुला पटवा, श्रीमति कौशल्या बंधवार, श्रीमति संगीता चौहान, श्रीमति मुन्नी बाई गंगवाल, श्रीमति दीपिका जैन, श्रीमती गायरी जी, श्रीमति सीमा राठौर ने अपने परिवारजनो के साथ एक पेड मॉ के नाम अभियान अंतर्गत पौधा लगाया। कार्यक्रम में मुकेश काला, धीरज पाटीदार, पारस मावर, हिम्मत डांगी, प्रितेश चावला, शिवराजसिंह राणा, राजेश नामदेव, तेजपालसिंह धाकडी, निलेश जैन, निर्मला गुप्ता, पुलकित पटवा, योगेश गुप्ता, राजाराम तंवर, राजेश गुर्जर, मंयक मावर, पियुष जैन, गरीमा भाटी, भारती पाटीदार, मुकेश माली, सुनिल जैन, आशीष गौड, रमेश ग्वाला, बिन्दु चन्द्रे, किरण मण्डोरा, सुनिता भावसार, संजय राठौर, दीपक गाजवा, नरेन्द्र बंधवार, सुयश राठौर, विद्या कडोतिया, शीतल कोतक, विजय पोपट, रामप्रसाद सुरा, जुझारलाल गायरी, हितेन्द्र भाटी, सुनिल योगी, सुभाष गढवाल, अजय रत्नावत, देवेन्द्र मरच्या, भोला दिवान सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया।

डिगांवमाली में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन व मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में एक पेड माँ केनाम अभियान अंतर्गत वृहद् पौधरोपण कार्यक्रम में नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक संस्था पिपलिया कराड़िया ने सहभागिता की।

मध्यप्रदेश अभियान परिषद मंदसौर विकासखंड मंदसौर जिला समन्वयक श्री तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था डिगांवमाली सेक्टर के ग्राम पंचायत डिगांव माली में वृक्षारोपण किया। इस उपलक्ष में ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि दशरथ आंजना ने कहा हमारी संस्कृति ने कदम-कदम पर सिखाया, वृक्षों में प्राण होते हैं। नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक दिनेश सोलंकी ने कहा हमारा कर्तव्य पर्यावरण संरक्षण इस वर्ष सभी मिलकर अधिक से अधिक पौधे लगाए वृक्षारोपण के दौरान जनपद सदस्य जयसिंह चौहान, सरपंच प्रतिनिधि दशरथ आंजना, सचिव भेरूलाल परिहार, सहायक सचिव भगतराम प्रजापत, संजय सेठिया, मनोज मालवीय, जिला वैदिक कार्यक्रम मंदसौर पीएलवी उषा सोलंकी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

हर वर्ग के सदैव मददगार रहे श्री त्रिवेदी, दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सकल ब्राह्मण समाज के स्तंभ एवं जिला पारीक परिषद के सचिव , सामाजिक कार्यकर्ता श्री देवेंद्र त्रिवेदी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को निधन होगया। वे 70 वर्ष के थे।

निजी क्षेत्रों में विभिन्न सेवाओं के साथ श्री त्रिवेदी ने मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम से सेवा निवृत्ति ली।

सामाजिक , सांस्कृतिक, सार्वजनिक और धार्मिक हर क्षेत्र में सक्रिय रहे श्री त्रिवेदी ने समाज के हर वर्ग की मदद में अग्रणी भूमिका निर्वहन की। मंदसौर , प्रतापगढ , उज्जैन आदि स्थानों पर सामाजिक गतिविधियों का नेतृत्व किया । उनकी प्रतिभा और सहयोगी स्वभाव की मुक्त हृदय से मुक्ति धाम पर हुई शोक सभा में प्रबुद्ध जनों ने सराहना करते हुए श्रद्धांजलि दी । किटियानी स्थित बैंक कॉलोनी से शनिवार दोपहर अंतिम यात्रा निकली , गणमान्य जनों और विभिन्न वर्गों कें प्रतिनिधियों ने शोक सभा में श्रद्धांजलि अर्पित की । अंतिम संस्कार पुत्र कौशल त्रिवेदी , कुणाल त्रिवेदी , मृत्युंजय त्रिवेदी , स्माकांत त्रिवेदी , राजेंद्र त्रिवेदी एव परिवार ने किया। इस मौके पर जिला मोटर मालिक संघ अध्यक्ष शिखरचंद रातडिया , ब्राह्मण समाज सचिव सुरेंद्र त्रिवेदी , रेडक्रॉस चैयरमेन प्रितेश चावला , अमलेश्वर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल गुरू ,सुनील व्यास , ब्रह्म परिषद संयोजक गोपाल पंचारिया , भेरूलाल शर्मा , साहित्य परिषद अध्यक्ष नरेंद्र भावसार , कर्मचारी संघ अध्यक्ष राहुल शर्मा , स्टेट बैंक अधिकारी संजय शुक्ला , राजस्व अधिकारी महेंद्र जोशी , प्रमोद पारीक , अनन्तराय निगम मुंबई , नितिन कंथारिया किशनगढ , शैलेंद्र जोशी एडवोकेट , रमेश भंडारी , विक्रम विद्यार्थी , डॉ घनश्याम बटवाल , वीरेन्द्र पंडित , शरद पारीक , वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश सोनी , रामप्रकाश शर्मा जोधपुर , डॉ दिनेश तिवारी भूपेंद्र व्यास नीमच , कमलेश बटवाल , अरविंद जैन प्रदीप पाटनी अनिल गुरू , ललित बटवाल , गोपाल व्यास , कमल पंडा रतलाम श्याम सुंदर भट्ड , यशवंत पारीक भीलवाडा नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला ,मनोज जोशी खाचरौद , गोपाल पाटीदार , मेघराज कोठारी , सनत कुमार जोशी , मुकेश आचार्य श्रीमती रंजू पारीक अजमेर , पंकज जोशी , सहित विभिन्न स्थानों के समाज जनों ने श्री देवेन्द्र त्रिवेदी के निधन पर सेवाओं का स्मरण करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

सहकारी सोसायटी परिसर में लगाए पौधे

बादपुर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सहकारी सोसायटी बिल्लोद के कर्मचारीगणों द्वारा पर्यावरण की रक्षा व क्षेत्रीय आम जन को प्रेरणा दायक संदेश देने हेतु किया पौधारोपण व उनकी रखरखाव की जिम्मेदारी ली, सहा.प्रबंधक श्यामलाल सूर्यवंशी ने कहा लगातार बढती गर्मी के बाद अब बारिश के मौसम मे सभी को बढ चढकर पर्यावरण की रक्षा हेतु आगे आना चाहिए ओर पौधारोपण करना चाहिए व जिम्मेदारी से देखभाल कर आने वाली पीढियों को सुरक्षित रखना चाहिए। इस अवसर पर प्रबंधक अर्जुनसिंह पंवार, सहायक प्रबंधक श्यामलाल सूर्यवंशी एवं कर्मचारी साथी उपस्थित थे।

अभा मेढ़ क्षत्रिय समाज की बैठक पुष्कर में संपन्न

प्री वेडिंग पर रोक, जो परिवार ऐसा करेंगा उस परिवार के आयोजन का समाज करेगा बहिष्कार

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय मेढ क्षत्रिय

समाज रजिस्टर्ड दिल्ली की बैठक विगत दिनों पुष्कर जी तीर्थ में स्थित मेढ क्षत्रिय समाज भवन में संपन्न हुई। बैठक में देश भर से स्वर्णकार मेढ क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी सम्मिलित हुए थे। मंदसौर से अखिल भारतीय मेढ क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कारूलाल सोनी भी सम्मिलित हुए।

कारूलाल सोनी ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से दो प्रस्ताव पारित किए गए हैं जिसमें पहला प्रस्ताव हर परिवार में एक सदस्य को जो स्वर्णकारी कार्य करते हैं उन्हें बंगाली काम सीखना चाहिए यह आज के समय बहुत जरूरी है यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। दूसरा प्रस्ताव मैढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज का कोई परिवार प्री वेडिंग शूटिंग नही करायेगा और यदि समाज को कोई परिवार प्री वेडिंग शूटिंग करवाते है एवं विवाह के समय सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करते हैं तो ऐसे विवाह का हर समाज बन्धु विरोध करेगा और ऐसे विवाह आयोजन में सम्मिलित नहीं होगा। श्री सोनी ने बताया कि पुष्करजी महातीर्थ में स्वर्णकार समाज एक बहुत बडा भवन निर्माणाधीन है, जिसमें 100 कमरे बनाने का लक्ष्य है जिसमें से 45 कमरे बनकर तैयार हो चुके है वहीं इस भवन में भगवान अजमीढ जी का भव्य मंदिर भी बनाया जा रहा है एवं भोजनशाला का निर्माण कार्य भी चल रहा है। आपने बताया कि बैठक में जो दो निर्णय किये गये है उन्हें मैढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के प्रत्येक परिवार को मानना अनिवार्य किया गया है इसलिए मेरा सभी मैढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाजजनों से आग्रह है कि इन प्रस्तावों को पालन करें यह समाज हीत में है। बैठक में अखिल भारतीय मेढ क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ सिकन्दराबाद (तेलगांना) , महामंत्री दुलीचंद मौसूण पीपाड शहर (राजस्थान), कोषाध्यक्ष सजन लावट हिसार (हरियाणा), संरक्षक बहादुरसिंह मायछ दिल्ली, पन्नालाल खजवानिया जलगांव, श्रीराम मोसूण कलकत्ता, डॉ राधाकृष्ण वर्मा कर्नाटक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवप्रसाद तोषावड सीकर, संयुक्त महासचिव मातादीन कटाथला जयपुर, संयुक्त कोषाध्यक्ष बाबुलाल कूकरा जोधपुर, कार्यालय मंत्री शीशाराम सोनी दिल्ली सहित समस्य प्रांतों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

83 वर्षीय टांक का सामाजिक कार्यों से जुड़ाव प्रशंसनीय

पुष्पमालाएं पहनाकर श्री टांक का जन्मदिन मनाया

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पतंजलि योग संगठन के जिला प्रभारी श्री बंशीलाल टांक का 83 वें वर्ष में प्रवेश करने पर उनका जन्मदिन गांधी चौराहा स्थित श्री विश्वपति शिवालय पर मित्रों ने गरिमामय आयोजन कर मनाया गया। इस अवसर पर नपा ब्रांड एम्बेसडर अजीजुल्लाह खान खालिद एडवोकेट ने योग गुरू श्री टांक को शुभकामनाएं देते हुए ने कहा कि 83 वर्ष की उम्र में भी श्री टांक का सामाजिक कार्यों में संक्रियता उनकी समाज सेवा के कार्यों कें प्रति निष्ठा को दर्शाता है। उनके योग, धार्मिक व अन्य क्षेत्रों से जुडाव प्रशंसनीय है। इस अवसर नपा ब्रांड एम्बेसेडर अजीजुल्लाह खान खालिद एडवोकेट, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शाकिर हुसैन गढवी व अनेक साथियों ने श्री टांक को पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत सम्मान करते हुए अपनी खुशियों का इज़हार किया।

अवैध नल कनेक्शनों की छानबीन जारी, जलकर राशि समय पर जमा करावे

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीरकुमारसिंह व नपा जलकार्य सभापति निलेष जैन ने बताया कि नगरपालिका परिषद के द्वारा नगर में अवैध नल कनेक्शनों को रोकने के लिये टीम गठित की गई है। टीम के द्वारा अवैध नल कनेक्शनों की निरंतर जांच की जा रही है। जिन भी नागरिकों ने अवैध नल कनेक्शन करा रखा है नपा उनसे आग्रह करती है कि वे अपने नल कनेक्शनों को वैध कराने हेतु नगरपालिका में नल कनेक्शन के लिये जो प्रक्रिया है उसका पालन करें। नपा परिषद उन नागरिकों से भी अपील करती है जिन्होंने अपने नाम कनेक्शन का बकाया बिल लम्बे समय से जमा नहीं कराया है नगरपालिका नागरिकों से अपील करती है कि अपने बकाया नल कनेक्शन का मासिक भुगतान समय पर करे। यदि नागरिकों के द्वारा समय पर भुगतान नहीं किया जाता है तो नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही भी हो सकती है।

मेनपुरिया चैतन्य आश्रम से लेकर पशुपतिनाथ चौराहा तक मुख्य सड़क डबल रोड और पुलिया का निर्माण होगा जल्द शुरू

मेनपुरिया, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विगत पांच वर्षों से क्षतिग्रस्त की हालत में ये पुलिया अब जल्द ही इसका निर्माण शुरू होगा सुरेश धनगर और गगन माली ने बताया कि 2019 में आई बाढ के बारिश में यह पुलिया टूट चुकी थी। व बरसात के दिनों में पुलिया पर पानी की अधिक आवक होने के चलते पशुपतिनाथ जाने वाला मार्ग का संपर्क टूट जाता था। लोगों को कई घंटो तक इंतजार करना पडता था। पुलिया की उंचाई व चौडाई कम होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पडता है। शैलेश माली और रोहित धनगर ,ने कहा कि यह मार्ग,पांच से सात ,गांव को जोडता है। और चैतन्य आश्रम पर साधु संत, व समिति, और गांव वाले इस पुलिया की, पांच साल से मांग कर रहे थे। इस मार्ग से कई राजनेताओं का गुजरना होता था। पर इस और किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। गांव वालों ने , विधायक विपिन जैन, को इस मार्ग में आने वाली परेशानियों के बारे में अवगत कराया। ,विधायक विपिन जैन, ने गांव वालों की समस्या को गंभीरता से लिया। और विधानसभा में इसका मुद्दा उठाया और इस पुलिया को स्वीकृत किया गया है। पशुपतिनाथ चौराहे से लेकर चैतन्य आश्रम तक मुख्य सडक, डबल रोड , व स्ट्रिप लाइट भी लगेगी। और समस्त ग्राम वासियों ने विधायक जैन का आभार माना।

पटवारी प्रशिक्षण दे रहे गुरुजनों का सम्मान समारोह संपन्न

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पटवारी प्रशिक्षण केंद्र डाइट मंदसौर सभा गृह मे पटवारी प्रशिक्षण दे रहे गुरुजनों के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन रखा गया जिसमें गुरुजनों को सम्मातिन कर माला, श्रीफल व शाल पहनाकर व यादगार स्वरुप मोमेंटो भेट किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जन एवं संस्कृति विकास समिति के अध्यक्ष बंशीलाल राठौर एवं जगदीश बेरागी उपस्थित रहे। ज्ञात रहे कि हमारा ब्लड डोनेशन कैंप जन एवं संस्कृति विकास समिति एवं पटवारी प्रशिक्षणार्थियों के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। जिसमें लगभग 20 से अधिक पटवारीयों ने अपना ब्लड डोनेट किया थाद्य सभी पटवारीयों ने गुरुजनों के सम्मान मे गर्म जोशी के साथ तालिया बजायी, मालाये पहनाई व उनके चरण वंदन कर आशीर्वाद लिया द्य कार्यक्रम का संचालन पटवारी निकिता गोयल के द्वारा व आभार प्रदर्शन पटवारी कुलदीप राठौर, के द्वारा किया गया।

710 रुपए बढ़कर सोना 73,800 पर पहुंचा, एक किलो चांदी की कीमत 1,600 बढ़कर 94,800 में बिक रही

नई दिल्ली, 06 जुलाई। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 6 जुलाई को तेजी है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 710 रुपए बढकर 73,800 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 73,090 रुपए प्रति दस ग्राम थे। एक्सपर्ट्स के अनुसार इस साल के आखिर तक सोना 78 हजार रुपए तक जा सकता है। वहीं एक किलो चांदी 1,600 रुपए बढकर 94,800 रुपए में बिक रही है। इससे पहले चांदी 93,200 रुपए किलो प्रति पर थी। महीने सोने-चांदी में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। 30 जून को सोना 72,280 रुपए औ चांदी 90,000 रुपए पर थी।

❊ दिल्ली- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,950 रुपए है। ❊ मुंबई- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,800 रुपए है। ❊ कोलकाता- 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 67,650 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 73,800 रुपए है। ❊ चेन्नई- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,400 रुपए है। ❊ भोपाल- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,850 रुपए है। इस साल अब तक सोने के दाम 9,930 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। जो अब 73,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 94,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 21,403 रुपए बढ चुकी है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार इससे आने वाले दिनों में सोने-चांदी में और बढत देखने को मिल सकती है। इस साल के आखिर तक सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

एक पेड मां के नाम अभियानांतर्गत किया पौधारोपण

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव के संकल्प अनुसार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शनिवार को एक पोधा माँ के नाम को लैकर जिला पंचायत परिसर मंदसौर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति दुर्गा विजय पाटीदार की विशेष उपस्थिती में पोधारोपण किया गया। पोधारोपण करते समय मनरेगा पीओ प्रदीप चौहान, मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के डीपीएम अनिल कुमार मरावी, एनआरएलएम जिला प्रबंधक फोजिया करिम खान एवं जिला पंचायत के सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षा एक सतत संस्कारित करने वाली प्रक्रिया है-प्राचार्य डॉ. महाराणा

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, संजीत मार्ग, मंदसौर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मंदसौर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में 6 जुलाई, शनिवार को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास स्थापना समारोह दिवस मनाया गया । जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशा महाराणा ने प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते हुए बताया की शिक्षा एक सतत संस्कारित करने वाली प्रक्रिया है जिसके माध्यम से देश के भावी कर्णधारों को शिक्षित किया जाता है स इसके मद्देनजर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का गठन किया गया है। आपने बताया कि इस न्यास का मूल उद्देश्य है कि हमारी शिक्षा पद्धति हमारी संस्कृति और प्रकृति के अनुरूप हो। फलत: इस न्यास के माध्यम से पाठ्यक्रम में विभिन्न कौशल एवं तकनीकी का समावेश किया जा रहा है। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ़ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 07 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

❊ पूर्व दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से मनुष्य में सात्विकता की वृद्धी होती है, आयु बढ़ती है एवं सर्व सुखो में वृद्धी होती है।
❊दक्षिण दिशा की और मुँह करके भोजन करने से मनुष्य मे आसुरी प्रवत्ती बढ़ती है, कुकर्म की प्रेरणा मिलती है, क्लेश आता है तथा आयु कम पड़ती है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

सभी रहवासी 10-10 चम्पा का पौधारोपण करें-जैन

कलेक्टर की अध्यक्षता में पौधारोपण के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं की बैठक सम्पन्न

नीमच, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत नीमच शहर में सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थांओं, पर्यावरण संरक्षण से जुडी संस्थाओं के पदाधिकारियों के सहयोग से नीमच में 12 जुलाई को वृहद पौधारोपण अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस श्वे त हरित नीमच अभियान के तहत शहर के विभिन्न 68 से अधिक सार्वजनिक स्थानों, पार्को, बगीचों, ग्रीन बेल्ट आदि स्थानों पर चम्पा का पौधा रोपण किया जावेगा।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण संरक्षण से जुडी संस्थाओं के पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में 12 जुलाई को आयोजित होने वाले पौधारोपण अभियान को सफल बनाने की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में सभी संस्थाओं ने नीमच शहर के पार्क, गार्डन, ग्रीनबेल्ट व अन्यक सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण करवाने की जिम्मेदारी अपनी संस्था के माध्यम से निभाने की सहमति दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने नीमच शहरवासियों का आव्हान किया, कि वे श्वेत नीमच अभियान के तहत अपने घर पर (बडे गमले में), उपलब्ध स्थल अथवा बगीचे में 10-10 चम्पा के पौधे अवश्य लगाए और उन्हें संरक्षित कर बडा करने की जिम्मेदारी का निवर्हन कर नीमच को हराभरा करने में सहभागी बने। कलेक्टर श्री जैन ने हरित भादवामाता अभियान के तहत पौधारोपण की योजना बताते हुए कहा कि जवासा चौराहे से भादवामाता तक सडक के दोनो ओर लगभग 1200 पौधे लगाये जाएंगे। ट्री गार्ड, पौधा एवं गड्ढे आदि की व्यवस्था प्रशासन व्दारा की जावेगी। एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत भादवामाता में पौधारोपण करने की इच्छुक संस्थाएं एवं आमजन भी हरित भादवामाता अभियान में अपना सहयोग कर सकते है। बैठक में उपस्थित विभिन्न स्व यंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने श्वेत हरित नीमच अभियान में हर सम्भव सहयोग का विश्वास दिलाते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे, सीएमओ श्री महेन्द्रा वशिष्ठ सहित अन्यस अधिकारी एवं विभिन्न स्वे यं से वी सं स्था ओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	21	2340	2500
उडद	9	4801	8701
सोयाबीन	3200	3520	4551
गैहु	3590	2551	3111
चना	123	5680	6442
मसुर	197	5501	6240
धनिया	125	4700	6899
लहसुन	12500	8400	25000
मैथी	410	4800	6200
अलसी	688	5700	6060
सरसो	355	5129	5546
तारामीरा	5	4480	4501
इसबगोल	65	11000	13101
प्याज	1697	820	2900
कलोंजी	20	15201	18737
डॉलर	11	7701	9601
तिल्ली	130	11000	12240
मटरसुखी	6	5600	6280
असालीया	12	9200	10500

कालाखेत स्थित शॉपिंग काम्प्लेक्स और मैदान को अतिक्रमण मुक्त करें प्रशासन-विधायक

इतना लंबा समय बीत जाने पर भी इन्हें पुर्नस्थापित क्यों नहीं किया..?

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा क्षेत्र के दौरान लोकप्रिय विधायक विपिन जैन द्वारा मंदसौर स्थित कालाखेत शॉपिंग कंपलेक्स और मैदान पर विशेष समुदाय द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने के संबंध में विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से जानकारी मांगी गई। जैन द्वारा कहा गया है कि प्रदेश सरकार शासकीय स्थानो और संपत्तियों पर अवैध कब्जा जमाए लोगों पर कार्यवाही कर सरकारी संपत्तियों को मुक्त कर रही है तो फिर मंदसौर स्थित कालाखेत शॉपिंग कांप्लेक्स और आसपास के स्थान पर वर्षों से कब्जा जमाए विशेष समुदाय के लोगों से शासकीय संपत्ति को क्यों मुक्त नहीं कराया जा रहा है इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण को मुक्त करने और उन्हें पुन:स्थापित करने की योजना क्यों नहीं बनाई गई।

क्षेत्र के लोग और रहवासी काफी परेशान है। नगरी विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा दिए गए उत्तर में बताया गया कि वर्तमान में साठीया समाज द्वारा 23 दुकानों पर कब्जा किया गया है और इन दुकानों की वर्तमान अनुमानित मूल्य 7 करोड रुपए के आसपास है जैन द्वारा मांग की गई है कि इन्हें शासन की योजना अंतर्गत आवासीय पट्टा एवं प्रधानमंत्री आवास उचित स्थान पर शीघ्र अति शीघ्र दिलाया जाकर इन्हें पुनर्स्थापित किया जाए वही जवाब में बताया गया है कि अतिक्रमण को मुक्त करने की कार्यवाही प्रक्रिया अधीन है और इन्हें अन्य स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा।

आबादी बढ़ने से फोरलेन पर स्थित गाँवो के सर्विस लेन को भी बढ़ाया जाए–लोक निर्माण विभाग अंतर्गत लेबड नयागांव फोरलेन पर स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी बढ़ने पर सर्विस लेन को आगे तक बढ़ाया जाने का मुद्दा भी विधायक विपिन जैन द्वारा विधानसभा में उठाया गया है जैन द्वारा लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से अनुरोध किया गया है कि फोरलेन का निर्माण हुए वर्षो हो गए हैं इस दौरान फोरलेन पर स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में फोरलेन किनारो पर आबादी बढ़ गई हैं। जिससे सर्विस लेन को आगे तक बढ़ाया जाना अति आवश्यक है सर्विस लेने के अभाव में दुर्घटनाएं हो रही हैं वही जैन द्वारा लेबड नयागांव फोरलेन पर स्थित ग्राम फतेहगढ़ दुर्घटना संभावित क्षेत्र पर भी आवागमन हेतु मीडियन कट दुर्घटना की संभावनाओं को कम करने के लिए दिए जाने की मांग की गई है। ज्ञात हो कि फोरलेन स्थित फतेहगढ़ दुर्घटना संभावित क्षेत्र होकर यहां आए दिन घटनाएं होती रहती है और बीते दिनों ग्रामीणों द्वारा यहां पर धरना देकर चुनाव का बहिष्कार भी किया गया था दुर्घटनाओं को रोकने हेतु फतेहगढ़ मैं उचित रास्ता दिए जाने की मांग विधायक जैन द्वारा की गई है।

23 जुलाई को केंद्रीय बजट, सीतारमण 7वीं बार पेश करेंगी, बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक

नई दिल्ली, 06 जुलाई। मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह बजट मोदी सरकार 3.0 का पहला पूर्ण बजट होगा। फरवरी में सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था।

1 फरवरी 2024 को पेश हुआ था अंतरिम बजट–इस साल अप्रैल में लोकसभा चुनाव होने थे, लिहाजा सरकार ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। यह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का छठा बजट था। इसमें गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता, यानी किसान फोकस में दिखे। अब अंतरिम बजट की मुख्य बातें-

इनकम टैक्स- स्लैब में कोई बदलाव नहीं–इनकम टैक्स में कोई राहत नहीं मिली। पुरानी टैक्स रिजीम पर 2।5 लाख रुपए तक की कमाई ही टैक्स फ्री रहेगी। हालांकि सेक्शन 87ए के तहत 5 लाख तक की इनकम पर टैक्स बच सकता है। नई टैक्स रिजीम पर भी पहले की तरह 3 लाख रुपए तक की कमाई टैक्स फ्री है। इसमें 87ए के तहत सैलरीड पर्सन 7।5 लाख रुपए तक और बाकी 7 लाख रुपए तक की कमाई पर छूट ले सकते हैं।

3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का टारगेट–महिलाओं के लिए उम्मीद से कम घोषणाएं की गई। 3 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया। सर्वाइकल कैंसर रोकने के लिए 9-14 साल की बच्चियों को फ्री टीका लगाया जाएगा। सभी आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं और हेल्पर्स को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा।

किसान: फसलों की रुस्क्र का दायरा नहीं बढ़ा–फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) का दायरा नहीं बढ़ाया गया। वहीं, साल में 6,000 रुपए की किसान सम्मान निधि में भी इजाफा नहीं किया गया। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर को 1।27 लाख करोड़ दिए हैं, जो पिछली बार के मुकाबले केवल 2 प्रतिशत ही ज्यादा है। पिछली बार एग्रीकल्चर बजट में 1।25 लाख करोड़ मिले थे।

शिक्षा-रोजगार- 1 लाख करोड़ का कॉर्पस फंड–शिक्षा और रोजगार पर कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई। हालांकि रु1 लाख करोड़ के कॉर्पस फंड का ऐलान किया है। इससे 50 साल तक की अवधि के लिए इंटरेस्ट फ्री लोन दिया जाएगा।

डिफेंस में पिछले साल के मुकाबले 3।4 प्रतिशत की बढ़ोतरी–डिफेंस खर्च के लिए 6।2 लाख करोड़ रुपए दिए गए। यह पिछले साल से केवल 0।27 लाख करोड़ रुपए यानी 3।4 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि अंतरिम बजट में सबसे बड़ा हिस्सा डिफेंस का ही है। इसे कुल बजट का 8 प्रतिशत मिला है। सरकार डीप-टेक टेक्नोलॉजी को मजबूत करेगी, ताकि देश हथियारों के लिए आत्मनिर्भर बने।

मेट्रो और नमो भारत प्रोजेक्ट बढ़ेंगे–मेट्रो और नमो भारत जैसे प्रोजेक्ट्स बढ़ाए जाएंगे। देश में रेलवे फ्रेट कॉरिडोर के अलावा 3 और रेलवे कॉरिडोर बनाए जाएंगे। साथ ही 40 हजार रेल कोचेस को वंदे भारत स्टैंडर्ड का बनाया जाएगा। कोयले से गैस बनाने की कैपेसिटी 2030 तक 100 मीट्रिक टन की जाएगी, ताकि नेचुरल गैस, मेथेनॉल और अमोनिया के इम्पोर्ट का खर्च घटे। वित्त मंत्री ने जी-20 समिट के दौरान घोषित इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर को भारत और दुनिया के लिए गेमचेंजर बताया। हालांकि इसकी प्रोग्रेस के बारे में कुछ नहीं कहा।

अभा ग्राहक पंचायत की प्रांत बैठक 28 को मंदसौर में

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राहक हित में कार्य करने वाला संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत हर तीन माह में प्रांत स्तर पर एक बैठक आहूत करता है। वैसे तों पिछले कई वर्षो से प्रांत बैठक इंदौर रामबाग स्तिथ कार्यालय पर होती थीं। लेकिन अब प्रांत के विभिन्न जिला केंद्रों पर यह बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में वर्तमान में बड़े मोबाइल के रिचार्ज के दाम, सायबर फ्रॉड, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा, पर्यावरण संरक्षण, स्कुल + पुस्तक विक्रेता + ड्रेस मटेरियल जूते मोज़े वालों का एकाधिकार कैसे समाप्त हों सके। बैंको के द्वारा बेलेंस मेंटेन नहीं करने पर तगडी पेनल्टी लगाई जाती है। इन सभी बिन्दुओ पर विचार विमर्श किया जायेगा। बैठक में केंद्र की पदाधिकारी के साथ प्रांत के पदाधिकारी, विधि विशेषज्ञ व जिला मुख्यालय के विशेष पदाधिकारी उपस्थित होंगे।

फोर पीएम न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा 21 को नीमच में

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय सम्मेलन मे करेगे शिरकत

मनासा, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच की लाल माटी पर आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय सम्मेलन मे देश के जाने माने पत्रकारो के नीमच पहुंचने की जानकारी मिल रही है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 21 जुलाई रविवार को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन नीमच के टाउनहाल मे आयोजित है। आयोजन संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ जी भदौरिया की अध्यक्षता मे होगा और आयोजन मे अनेक राजनेता एवं वरिष्ठ पत्रकार शिरकत करेगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया की नीमच की लाल माटी पर 30 वर्ष बाद संगठन का प्रदेश सम्मेलन आयोजित हो रहा है इससे जिलेभर के पत्रकारो मे जबरदस्त उत्साह है। जैन ने बताया की कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथी मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह जी तौमर उप मुख्यमंत्री जगदीश जी देवड़ा मंत्री चेतन जी कश्यप सासंद सुधीर जी गुप्ता राज्यसभा सासंद बंशीलाल जी गुर्जर विधायक नीमच दिलीप सिंह जी परिहार जावद विधायक ओमप्रकाश जी सखलेचा मनासा विधायक अनिरूद्ध माधव जी मारू नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति जी चौपड़ा सहित देश के ख्यातनाम पत्रकार 4झा न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय जी शर्मा लखनऊ 4झा मध्यप्रदेश के संपादक संजीव जी श्रीवास्तव एंकर दीपाली शर्मा उपस्थित रहेगे।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणजन

पिपलियामंडी, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बालागुढा विद्युत वितरण केन्द्र द्वारा की जा रही बिजली कटौती के चलते ग्रामीणजन परेशान है। वितरण केन्द्र के तहत गांव बरखेड़ा जयसिंह, बरदल, मुण्डकोषा की बिजली सप्लाय रात-रात भर बंद की जा रही है। बरसात में जहरीले जानवरों का खतरा बना रहता है। ग्रामीण लालसिंह, प्रेमसिंह, हमेरसिंह, विजयपालसिंह आदि ने बताया कि बिजली कंपनी केवल वसूली करने पर ध्यान देती है, उपभोक्ताओं की सुविधा पर बिजली कंपनी का कोई ध्यान नही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ बिल बकाया होने पर बरखेड़ा जयसिंह, मुण्डकोषा व बरदल की बिजली बंद कर दी गई। 12 घंटे तक बिजली बंद होने के बाद ग्रामीणों के विरोध के बाद पुन: बिजली चालू की। ग्रामीणों ने बताया कि अनावश्यक रुप से बिजली कंपनी द्वारा ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है।

कलेक्टर ने मनासा में छात्रावासों का निरीक्षण किया

नीमच, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जिले के सभी छात्रावासों में स्वीकृत सभी सीटो पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रयास करें कि एक भी सीट खाली ना रहे। छात्रावास में रहवासी विद्यार्थियों को निर्धारित मेनू अनुसार नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध करवाया जाए। छात्रावासी, विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल जाए और अध्यापन करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने शनिवार को मनासा में आदिम जाति कल्याथण विभाग व्दारा संचालित शा.बालिका उत्कृष्ट छात्रावास मनासा एवं शा.बालक

उत्कृष्ट छात्रावास मनासा का निरीक्षण करते हुए जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण नीमच को दिए।

इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, जिला संयोजक श्री राकेश राठौर, अन्य अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री जैन ने उक्त दोनो छात्रावासों के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होने छात्र-छात्राओं से चर्चा कर, उपलब्ध सुविधाओं, भोजन एवं नाश्ते की गुणवत्ताा की जानकारी ली। कलेक्टर श्री जैन ने छात्रावास में प्रवेश के बाद सभी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से करवाने और प्रत्येक विद्यार्थी का हेल्थ कार्ड बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्रावास में उपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों, पालकों से चर्चा कर, छात्रावास में उनके बच्चों की उपलब्धता करवाई जा रही, सुविधाओं की जानकारी ली। अभिभावकों ने भी छात्रावास में व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए प्रबंधों को प्रर्याप्त बताया।

विद्यार्थियों को शत प्रतिशत उपस्थित रहना होगा

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया ने जानकारी देते हुऐं बताया कि महाविद्यालय में नियमित कक्षाऐं प्रारंभ हो गई है। विद्यार्थी नियमित रूप सें कक्षाओं में उपस्थित रहें। विद्यार्थी की उपस्थिति के आधार पर ही उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जायेगा। यदि विद्यार्थी उपस्थित नहीं होते है तो उसकी जानकारी उनके पालक को भी प्रदान की जायेंगी तथा उन्हें स्वाध्यायी परीक्षार्थी के रूप में अपनी परीक्षा देना होगी। अत: विद्यार्थी नियमित रूप से महाविद्यालय में आकर अपना अध्यापन कार्य करें।

मल्हारगढ़ तहसील के गांव तलाव पिपलिया में दो करोड़ की गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशन और में मल्हारगढ़ तहसील मे गोचर की भूमि अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चल रहा है। गोचर भूमि अतिक्रमण मुक्त अभियान के तहत टकरावद व पीर गुराडिया मे गोचर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चूका है व आज तहसीलदार मल्हारगढ़ ब्रजेश मालवीय द्वारा ग्राम तलाव पिपलिया की गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु राजस्व निरीक्षक राजेश खरे को दल प्रभारी बनाकर राजस्व अमले का गठन किया। जिसके द्वारा आज ग्राम तलाव पिपलिया तहसील मल्हारगढ़ स्थित 76 बीघा गौशाला और चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाकर चारो और खाई लगवाई गई। अतिक्रमण मुक्त की गई शासकीय गौचर की भूमि की कीमत लगभग 2 करोड़ रुपए है। गठित दल में राजस्व निरीक्षक राजेश खरे, हल्का पटवारी शिवप्रताप तोमर, पटवारी सूरज भंडारी, प्रमोद सिंह तोमर स्वप्निल तिवारी, रविंद्र शर्मा,आदि व नारायणगढ़ व बूढा चौकी पुलिस एवं राजस्वअमले व कोटवारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने डे केयर सेंटर व ई-लायब्रेरी का निरीक्षण किया

नीमच, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने शनिवार को नीमच के शाबामावि क्र-2 के परिसर में संचालित डे केयर सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होने डे-केयर सेंटर के भवन से लगे कक्षों में ई-लायब्रेरी संचालित करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, डीपीसी सुश्री किरण आंजना व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शामाविक्र-2 के जीर्णशीर्ण खाली कक्षों को ठीक करवाएं और आश्यक मरम्मत करवाकर, उनका उपयोग ई-लाईब्रेरी संचालित करने में किया जाए। कलेक्टर ने डीपीसी को ई-लायब्रेरी प्रारंभ करवाने के निर्देश भी दिए।

बोतलगंज में हुआ पौधरोपण

पिपलियामंडी, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बहु उद्देश्यीय कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित बोतलगंज में पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर संस्था प्रशासक सुश्री हिमांगीनी शर्मा, प्रबंधक श्यामसिंह राठौर, अखिलेश शर्मा, रजनीकांत गुप्ता, राजेन्द्रसिंह चौहान, ओमप्रकाश नावड़ा, धारासिंह सोनीगरा आदि मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधरोपण

भानपुरा, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत नगर परिषद भानपुरा द्वारा शनिवार 6 जुलाई को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर भानपुरा में जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र पराशर, अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश ऋषिराज मिश्रा,अधिवक्ता अनिल मित्तल,नगर परिषद अध्यक्ष विनोद शिव भानपिया, पार्षदगण शीतल भूतनी, सुभाष बगडी, मुर्तजा बोहरा, प्राचार्य जी एम शेख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहम्मद अशफाक ने पौधारोपण किया। इस दौरान नायब नाजिर राजेंद्र माली,निकाय लेखपाल निषाद धारकर, अंतिम कालोसिया, तरुण शर्मा, घनश्याम पाटीदार, विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं, न्यायालय स्टाफ, नगर परिषद कर्मचारी गण, सहित विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

सशिमं में गीत व भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

पिपलियामंडी, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पिपलिया में क्षमता विकसित करने के लिए भैया-बहिनों के बीच बालसभा में संस्कार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष दक्षिता पाटीदार, रंजना धनगर व खुशवंत पाटीदार को मनोनीत किया। भैया-बहिनों का संस्कार विषय पर गीत-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम बहिन तारा माली, द्वितीय योगिता व अक्षिता माली, तृतीय गोविन्द रैगर रहे। विजेता भैया-बहिनों को अतिथि भैया-बहिनों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कर्नल रिजवान खान ने किया सैनिक स्कूल का दौरा

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सैनिक स्कूल मंदसौर में कर्नल रिजवान खान कमांडिंग ऑफिसर 5 एमपी इंडिपेंडेंस कंपनी एनसीसी के द्वारा दौरा किया गया। जिसके अंतर्गत आपके द्वारा कैडेट्स को जीवन में अनुशासन, नैतिक मूल्य, आने वाले भविष्य के लिए उनकी योजना, उनके लक्ष्य आदि के बारे में जानकारी देते हुए कैडेट्स को मार्गदर्शित किया गया। आपके द्वारा एसएसबी की तैयारी, भर्ती, प्रवेश जैसी अनेक जानकारियां भी दी गई। कैडेट्स ने बातचीत के दौरान करियर से संबंधित प्रश्नों को भी आपके साथ साझा किया तो आपके द्वारा बड़ी सहजता से उनकी उत्सुकता को शांत किया गया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल मंदसौर की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती सरोज प्रसाद, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, एनसीसी के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर श्री विजय सिंह पुरावत व सैनिक स्कूल मंदसौर की टीम उपस्थित रही।

नाबालिग ने अपने मोबाईल से...

पेज 1 से जारी

नाम ज्ञापन सौंप आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की थी। जांच को लेकर पुलिस ने सायबर सेल के साथ संयुक्त टीम बनाई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उक्त इस्टाग्राम आईडी यूजर के बारे में जानकारी प्राप्त की। उक्त आईडी जयपुर से संचालित होने की जानकारी मिली। थाना स्टेशन रोड रतलाम से टीम जयपुर गई। टीम द्वारा सायबर सेल के सहयोग से 13 साल के युवक निवासी जिला कुछविहार (पश्चिम बंगाल) हाल मुकाम जयपुर को अभिरक्षा में लिया। नाबालिग ने पुछताछ करने अपने घर के मोबाईल से पोस्ट करना बताया। मामले में पुलिस विस्तृत जांच कर रही है।

✻ अंतिम यात्रा ✻

स्वर्गीय श्री अंबालाल जी गुप्ता के जेष्ठ पुत्र व ओमप्रकाश, सूर्य प्रकाश ,स्वर्गीय रवि प्रकाश जी, दयानंद , वेद प्रकाश के बड़े भाई साहब व प्रमोद के पिता जी व सार्थक के दादा जी श्री बंसीलाल जी गुप्ता एडवोकेट का आज दिनांक 06.07.2024 शनिवार को स्वर्गवास हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा दिनाक 07.07.2024 रविवार को प्रात: 9:00 बजे 12/1 जीवागंज मंदसौर से निकलेगीं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
समस्त गुप्ता परिवार जीवागंज मंदसौर 9425977571

✻ उठावना ✻

हमारे पुज्य पिताश्री एवं मृत्युंजय के दादाजी श्री देवेन्द्र जी त्रिवेदी का देवलोकगमन शनिवार को होगया। उठावना सोमवार प्रात: 11 बजे निज निवास किटियानी , बैंक कॉलोनी के पास पिपलेश्वर महादेव मंदिर परिसर मंदसौर में होगा।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
कौशल त्रिवेदी, कुणाल त्रिवेदी, रमाकांत त्रिवेदी, राजेंद्र त्रिवेदी, गोपाल त्रिवेदी, मृत्युंजय त्रिवेदी एवं त्रिवेदी परिवार मंदसौर।

गौ-शालाओं में गोवंश के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें-जैन

कलेक्टर ने किया सावन व सारसी की गौशाला का निरीक्षण

नीमच, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले की सभी गोशालाओं में गो-वंश के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाये। गोशालाओं में गोवंश के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, टीकाकरण आदि की व्यवस्थान सुनिश्चित हो। गो-वंश के लिए पेयजल, चारा, भूसा, गो-आहार की भी पर्याप्त व्यवस्था हो। सभी गोशालाएं मृत गोवंश के उचित निपटान के लिए गोशाला के समीप गो समाधि का स्थान चिन्हित कर वहां गो समाधी का बोर्ड लगाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने शनिवार को नीमच जिले के ग्राम सावन एवं ग्राम सारसी में संचालित गोशालाओं के निरीक्षण दौरान उपसंचालक पशुपालन नीमच को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, डॉ.राजेश पाटीदार, डॉ.ए.आर.धाकड, संबंधित गोशाला संचालक एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने गौशालाओं के निरीक्षण दौरान गौशालाओं के शेड में शेड की उपलब्धंता गोवंश की संख्या, शेड की व्यवस्था, पशुचारे की व्यवस्थाए, पशुचारा गोदाम की व्यवस्था ओं का जायजा लिया। उन्होने गौशालाओं के लिए चरनोई की भूमि चिन्हित कर आरक्षित करवाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण दौरान कलेक्टर श्री जैन ने सारसी में गोशाला का संचालन सुव्यवस्थित पाया और गोशाला में गोवंश के लिए किए गए प्रबंधों की सराहना की। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने सारसी गोशाला में गोपूजन कर गायों को गुड एवं पूरीयां खिलाई।

सावन गौ-शाला में पौधा रोपण–कलेक्टार श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने सावन की गौशाला में पोधा रोपण भी किया। उन्होने गौशाला संचालक एवं ग्रामीणों से भी एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण करने का आव्हा न किया।

महाविद्यालय की विभिन्न मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री से जनभागीदारी अध्यक्ष ने को चर्चा.....

जल्द ही समस्त सुविधाए उपलब्ध करवाने के लिए आश्वस्त किया

मंदसौर, 06 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु सर्वांगीण सुविधा युक्त बनाने के लिए महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवड़ा एवम उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह जी परमार से भेंट कर महाविद्यालय के विकास हेतु मांग पत्र सोपा उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा जी एवम उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार जी ने स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा द्वारा विद्यार्थियों एवम महाविद्यालय परिसर को सर्व सुविधा युक्त एवम शैक्षणिक अनुकूलता के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त कर शुभकामनाए देते हुए महाविद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं शीघ्र प्रदान करने की सहमति प्रदान की,

उक्त जानकारी देते हुए शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री डीसी गुप्ता ने बताया की जनभागीदारी अध्यक्ष हेमंत धनोतिया ने भोपाल में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवड़ा एवम उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार से भेंटकर महाविद्यालय विद्यार्थियों के बैठने हेतु फर्नीचर, छात्र छात्राओं के अध्ययन हेतु ई लाइब्रेरी, छात्र छात्राओं के लिए खेल एवम एथलेटिक सुविधा को लेकर ओपन जिम, बास्केटबाल टर्फ, इनडोर गेम्स की सुविधाओं के साथ महाविद्यालय में कंप्यूटर लैब, प्रयोगशाला उपकरण हेतु मांग पत्र सौंपा श्री गुप्ता ने बताया की उप मुख्यमंत्री एवम उच्च शिक्षा मंत्री महोदय को महाविद्यालय में किए जा रहे नवाचार की गतिविधियों की जानकारी जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया द्वारा दी गई जिसमे महाविद्यालय परिसर को पोधा रोपण कर स्वच्छ एवम सुंदर बनाने के लिए प्रयास एवम भवन बनने के उपरांत महाविद्यालय परिवार के प्रयासों से छात्र संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई जिसके कारण छात्र संख्या के अनुपात में महाविद्यालय 1400 विद्यार्थियों का प्रवेश होना बडी उपलब्धि है। इस प्रयास को दोनो जनप्रतिनिधि महोदय ने सराहना की। एवं दलौदा महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु शैक्षिक सुविधाओं से युक्त परिसर बनाने हेतु आश्वस्त किया।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in